# श्री गणेशमूर्ति धर्मशास्त्रानुसार हो !

## अनुक्रमणिका

( कुछ वैशिष्ट्यपूर्ण सूत्र [मुद्दे] '*' चिह्नसे दर्शाए हैं । )


- भूमिका ६
- प्रस्तुत लघुग्रंथके विषयमें प्राप्त दिव्य ज्ञान ८

१. देवताकी सात्त्विक मूर्ति तथा उससे लाभ १०
२. श्री गणेश चतुर्थीके दिन पूजी जानेवाली मूर्ति कैसी हो ? ११
* अथर्वशीर्ष'में वर्णित गणेशजीका मूर्तिविज्ञान १२
* चिकनी अथवा खडिया मिट्टीसे मूर्ति बनाएं १३
* मूर्ति छोटी ( एकसे डेढ फुटतक ऊंची ) हो ! १९
* श्री गणेशमूर्ति पीढेपर बैठी अवस्थामें हो २४
३. सनातन-निर्मित सात्त्विक श्री गणेशमूर्ति, उसकी विशेषताएं एवं उपयोग २७
* सनातन-निर्मित गणेशमूर्तिकी कुछ विशेषताएं २८
* मूर्तिके कुछ संभावित लाभ ३०
* सनातन-निर्मित श्री गणेशमूर्तिकी नाप ३२
४. गणेशमूर्ति बनाते समय आवश्यक भाव,
की जानेवाली प्रार्थना तथा नियमका पालन ३८
४ अ. मूर्ति बनाते समय मनमें कैसा भाव हो ? ३८
४ आ. मूर्तिशालामें पालन करने हेतु कुछ नियम ४२
४ इ. मूर्तिकारोंके लिए कुछ उपयुक्त सूचनाएं ४३
५. गणेशभक्तो, धर्मशास्त्रानुसार आचरण करना वास्तविक धर्माचरण है ! ५३

६. गणेशोत्सव समितियो, लोकप्रियता हेतु नहीं;
अपितु जनकल्याणके लिए उत्सव मनाएं ! ५८
७. सनातनका ‘गणेशोत्सव जागृति अभियान’ ! ६२
७ अ. जनप्रबोधनकी कुछ पद्धतियां ६२
७ आ. सनातनके जनजागरण अभियानके कारण -
अनुचित कृत्य रोकनेवाले कुछ मूर्तिकार ६४
८. सनातनकी गणेशमूर्तिसमान मूर्ति बनानेका
प्रयत्न करनेवाला ‘श्री गणेश कला केंद्र’ ! ६८

# भूमिका

'गणपति बाप्पा मोरया ।' भाद्रपद मासके बहुत पहलेसे ही बच्चोंसे लेकर बूढोंतक सभीको अपने प्रिय गणेशजीके आगमनकी उत्सुकता होती है । गणेशोत्सवका आयोजन श्री गणेशमूर्ति बनानेसे आरंभ हो जाता है । गणेशोत्सव एक आनंदोत्सव तो है ही; साथही यह बडी मात्रामें गणेशतत्त्व प्राप्त करनेका सुनहरा अवसर भी है ।

श्री गणेशमूर्ति सात्त्विक, अर्थात धर्मशास्त्रानुसार होनेपर ही बडी मात्रामें गणेशतत्त्व प्राप्त होता है । वर्तमानमें गरुडपर बैठे गणेश, क्रिकेट खेलनेवाले गणेश ऐसे विविध रूपोंमें एवं विशालकाय गणेशमूर्तियां बनाई जाती हैं । ऐसी अशास्त्रीय मूर्तियोंके कारण गणेशतत्त्वका लाभ तो नहीं होता, परंतु उनका अनादर अवश्य होता है । इस अनादरके लिए मूर्तिकार, श्रद्धालु एवं गणेशोत्सव मंडलके सभी सदस्य उत्तरदायी होते हैं । इस अनादरसे हिंदुओंको समष्टि पाप लगता है । यह समष्टि पाप न लगे तथा श्री गणेशजीकी उपासना उचित पद्धतिसे हो, इस उद्देश्यसे प्रस्तुत लघुग्रंथमें श्री गणेशमूर्ति धर्मशास्त्रानुसार बनानेसे होनेवाले लाभ; मूर्तिकार, श्रद्धालु तथा गणेशोत्सव मंडलोंके लिए आवश्यक सावधानियां आदिका विवेचन किया गया है ।

सनातन संस्था-निर्मित गणेशमूर्ति सात्त्विक एवं आदर्श कैसे है, यह बताकर उसे बनानेसंबंधी आवश्यक नाप भी इस लघुग्रंथमें दिए हैं । इस नाप के अनुसार बनाई गई श्री गणेशकी सात्त्विक मूर्तिको सदैवके लिए घरमें रखना भी लाभदायक है ।

इस लघुग्रंथके अनुसार आचरण करनेसे सभीको श्री गणेशजीके अधिकाधिक आशीर्वाद प्राप्त हों, यह श्री गुरुचरणोंमें प्रार्थना ! - संकलनकर्ता